फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए, हमने उन्हें पहले भी हराया है : लामिन यामल

लास एंजिल्स

बेल्जियम को 2-1 से हराकर स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से होगी। इस बहुप्रतीक्षित मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है। यामल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता, और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उनके मुताबिक, स्पेन ने हाल के बड़े मुकाबलों में फ्रांस को हराया है और इस बार भी टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यामल का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। यामल ने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही सभी लोग स्पेन और फ्रांस के बीच मुकाबला देखना चाहते थे। उन्होंने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी। यामल ने साफ कहा कि स्पेन अपने आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं करेगा, और टीम हमेशा की तरह गेंद पर नियंत्रण रखते हुए अटैकिंग फुटबाल खेलेगी।

18 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, फ्रांस बेशक एक मजबूत टीम है, लेकिन स्पेन अपनी पहचान नहीं बदलेगा। उन्होंने दृढ़ता से कहा, हम उसी अंदाज में खेलेंगे, जैसा हमेशा खेलते आए हैं। हमें पूरा भरोसा है कि हमारा खेल हमें जीत दिला सकता है। फ्रांस को लेकर यामल ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा, अगर किसी टीम को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है, क्योंकि हमने उन्हें पहले भी हराया है। उन्होंने पिछले साल खेले गए यूरो 2024 के सेमीफाइनल की याद दिलाई, जहां स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से मात दी थी।

उस मैच में सिर्फ 16 साल के यामल ने शानदार लंबी दूरी का गोल कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद डैनी ओल्मो के विजयी गोल के बूते स्पेन ने फाइनल जीतकर यूरोपीय चैंपियन का खिताब हासिल किया था। यामल का मानना है कि उस जीत से स्पेन के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सफलताएं टीम को बड़े मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती हैं। इस वर्ल्ड कप में यामल अब तक केवल एक गोल कर पाए हैं, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। उनका कहना है कि व्यक्तिगत रिकार्ड से ज्यादा जरूरी टीम की जीत है। उन्होंने समझाया, मैंने यूरो में भी सिर्फ एक गोल किया था, लेकिन हमने ट्राफी जीती थी। अगर टीम लगातार जीतती रहे तो मैं खुश हूं। मेरे लिए टीम सबसे पहले है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फ्रांस के खिलाफ फिर कोई यादगार गोल करना चाहेंगे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, उम्मीद है कि ऐसा फिर होगा। मैं जरूर ऐसा करना चाहूंगा। सेमीफाइनल में एक और बड़ी टक्कर यामल और फ्रांस के कप्तान काइलियन एम्बाप्पे के बीच देखने को मिलेगी।

एम्बाप्पे इस वर्ल्ड कप में शानदार फार्म में हैं, उन्होंने पांच मैचों में आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट भी दिए हैं, और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दूसरी ओर, यामल अपनी तेज ड्रिब्लिंग, शानदार पासिंग और बेहतरीन विजन से स्पेन के सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल हो चुके हैं। हालांकि, यामल का कहना है कि एम्बाप्पे जैसे बड़े खिलाड़ी का नाम स्पेन की रणनीति नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा, हमें किसी से डर नहीं लगता। हमने पिछले दो मुकाबलों में फ्रांस को हराया है। हम यहां सिर्फ सेमीफाइनल खेलने नहीं, बल्कि वर्ल्ड कप जीतने आए हैं। यामल ने आखिर में एक बार फिर दोहराया, हम फ्रांस का सम्मान करते हैं, लेकिन उनसे डरते नहीं हैं। मुझे लगता है कि इस समय दुनिया की दो सबसे बेहतरीन टीमें आमने-सामने हैं और अगर किसी को डरना चाहिए, तो वह फ्रांस है।

न्यूज ब्रीफ

डायमंड लीग 2026: सर्वेश कुशारे ने डेब्यू में जीता कांस्य, मोनाको में तीसरे स्थान पर रहे

मोनाको। भारत के राष्ट्रीय रिकार्डधारी सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। मोनाको में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुशारे ने 2.26 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम पर जगह बनाई। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की छलांग के साथ जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के किमानी जैक ने 2.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि सर्वेश अपने राष्ट्रीय रिकार्ड 2.31 मीटर की बराबरी नहीं कर सके। उन्होंने यह रिकार्ड हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। उस दौरान उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ा था। डायमंड लीग से पहले सर्वेश और किमानी जैक दोनों का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.31 मीटर था, जो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से सबसे बेहतर था। इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के संयुक्त स्वर्ण पदक विजेता इटली के जियानमार्को ताम्बेरी और कतर के मुताज बरशीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। ताम्बेरी 2.23 मीटर की छलांग के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे, जबकि बरशीम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। सर्वेश कुशारे का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है और आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा।

फीफा विश्व कप: मेरिनो के आखिरी मिनट के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में, बेल्जियम को 2-1 से हराया

लास एंजिलिस। सुपर सब मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे नाकआउट मुकाबले में अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्पेन को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया और अब उसका सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। आर्सेनल के मिडफील्डर मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर उतरे और केवल दो मिनट बाद ही निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिला दी। बेल्जियम के स्थानापन्न गोलकीपर सेन्ने लैमेंस ने पाउ क्यूबार्सी के शाट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मेरिनो के पास पहुंची और उन्होंने कोई गलती नहीं की। इससे पहले राउंड आफ-16 में भी मेरिनो ने पुर्तगाल के खिलाफ 91वें मिनट में विजयी गोल कर स्पेन को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था। मैच के बाद मेरिनो ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक बार ऐसा होना ही अविश्वसनीय था, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसा होना और भी खास है। यह किस्मत नहीं, बल्कि तैयारी का नतीजा है। जब मैं मैदान पर उतरता हूं तो हमेशा टीम की मदद करने के लिए तैयार रहता हूं।

मोहम्मद नबी के बेटे हसन ईसाखिल का टी20 में धमाका: 28 गेंदों में तूफानी शतक

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर मोहम्मद नबी के बेटे हसन ईसाखिल ने हाल ही में एक फ्रेंडली टी20 मैच में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरी हैं। अफगान इलेवन के लिए उजबेकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए, हसन ने मात्र 28 गेंदों में तूफानी शतक जड़ दिया, जिससे उनकी राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की दावेदारी और मजबूत हो गई है। उनकी इस विस्फोटक पारी ने मैदान पर मौजूद सभी को हैरान कर दिया और गेंदबाजों को असहाय कर दिया। हसन ईसाखिल ने अपनी पारी में कुल 34 गेंदों का सामना करते हुए 120 रन बनाए, जिसमें 16 गगनचुंबी छक्के और 4 चौके शामिल थे। उन्होंने अपनी पहली फिफ्टी 17 गेंदों में पूरी की, जबकि अगले 50 रन बनाने के लिए उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों का सामना किया, जो उनकी विस्फोटक क्षमता को दर्शाता है। उनकी इस पारी की बदौलत अफगान इलेवन की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 323 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी20 क्रिकेट में एक बड़ा लक्ष्य है। इस बड़े स्कोर के जवाब में, उजबेकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर केवल 124 रन ही बना पाई, जिसके परिणामस्वरूप अफगान इलेवन ने 199 रनों की शानदार जीत दर्ज की। यह फ्रेंडली टी20 मुकाबला कोस्त में खेला गया था। हसन ईसाखिल पहले भी अफगानिस्तान की जूनियर टीम का हिस्सा रह चुके हैं ।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी पर सवाल भारत की लगातार हार से चिंता बढ़ी

नई दिल्ली

भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद, श्रेयस अय्यर को कप्तानी की बागडोर सौंपी गई थी, लेकिन उनकी अगुवाई में टीम को लगातार निराशा का सामना करना पड़ रहा है। अय्यर की कप्तानी में भारत ने पहले आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 0-2 से गंवाई। इसके बाद, इंग्लैंड दौरे पर भी भारतीय टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पहले मुकाबले के बारिश में धुल जाने के बाद, भारत ने लगातार तीन टी20 मैच गंवाकर पांच मैचों की सीरीज में 0-3 से पिछड़ गया है। यह प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों और विशेषज्ञों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस बीच, भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी पर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि अब अय्यर के लिए वह समय आ गया है जब उन्हें आईपीएल में दिखाई गई अपनी रणनीतिक क्षमता को राष्ट्रीय टीम के लिए भी साबित करना होगा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नेतृत्व क्षमता की एक स्पष्ट छाप छोड़नी होगी। करीम ने एक बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि अब अय्यर को कप्तान के तौर पर खुद को स्थापित करना होगा। आईपीएल में उनकी जिस रणनीतिक कप्तानी की झलक देखने को मिली थी, वह अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नजर नहीं आई है। उन्होंने विशेष रूप से बल्लेबाजी क्रम में लिए गए फैसलों पर सवाल उठाया। करीम ने कहा कि जब अय्यर खुद मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे थे, तब शिवम दुबे को पांचवें नंबर पर भेजने का फैसला समझ से परे था। उनके अनुसार, आईपीएल में हम जिस अय्यर को जानते हैं, वह शायद ऐसा फैसला नहीं लेते। यह निर्णय दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव में रणनीतिक सोच में कुछ कमी आ रही है। हालांकि, करीम ने अय्यर की बल्लेबाजी की सराहना भी की। उन्होंने कहा, उनका रन बनाना टीम के लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है। करीम ने जोर देकर कहा कि जब कप्तान खुद अच्छी बल्लेबाजी करता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और उसकी कप्तानी भी बेहतर हो जाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले मुकाबलों में अय्यर की कप्तानी में यह सुधार देखने को मिलेगा। टीम को इन लगातार हारों से उबरने के लिए अय्यर के नेतृत्व में एक मजबूत वापसी की आवश्यकता है ताकि विश्व कप से पहले खोया हुआ आत्मविश्वास वापस आ सके।

9000 इंटरनेशनल रन, हरमनप्रीत का महारिकार्ड, मिताली-मंधाना के क्लब में पहुंचीं

नई दिल्ली। लंदन के ऐतिहासिक लार्ड्स मैदान पर भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज हुआ। इस मुकाबले का पहला ही दिन भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए बेहद खास और ऐतिहासिक साबित हुआ। पंजाब के मोगा से ताल्लुक रखने वाली 37 वर्षीय इस धाकड़ बल्लेबाज ने न केवल अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से टीम को संभाला, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया, जिसे छूना हर क्रिकेटर का ख्वाब होता है। मैच के पहले दिन टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने मैदान में उतरीं। उन्होंने अपनी चिर-परिचित आक्रामक शैली और सूझबूझ का बेजोड़ मिश्रण पेश करते हुए 121 गेंदों में 58 रनों की जुझारू और शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान हरमनप्रीत ने सात शानदार चौके जड़े। जब भारतीय टीम मुश्किल में दिख रही थी, तब कप्तान ने उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों अनुभवी बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 155 गेंदों में 89 रनों की बेशकीमती साझेदारी की। मंधाना ने भी दूसरे छोर से बेहतरीन खेल दिखाते हुए 108 गेंदों में 83 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। उनकी यह पारी भले ही शतक में तब्दील न हो पाई, लेकिन इन दोनों की इस साझेदारी के दम पर भारतीय टीम ने मैच के पहले ही दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया और एक सम्मानजनक स्कोर की नींव रखी। विश्व महिला क्रिकेट की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार हरमनप्रीत कौर को इस मैच से पहले अपने करियर में 9000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के लिए महज 13 रनों की दरकार थी। मैच के 24वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जैसे ही उन्होंने अपना 13वां रन लिया, लार्ड्स का मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

संशोधित--विंबलडन 2026: जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

लंदन

विश्व नंबर-1 और मौजूदा चैंपियन इटली के जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को लगातार दूसरे साल मात देते हुए शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सिनर ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की, जहां उनका सामना रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 39 वर्षीय जोकोविच पूरे मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद उन्होंने अपनी हार को पुरानी शैली की एकतरफा हार बताया और स्वीकार किया कि वह हर शाट पर आधा कदम पीछे रह गए। सिनर ने पूरे मैच में शानदार सर्विस की। उन्होंने 16 ऐस लगाए, पहली सर्विस पर 88 प्रतिशत अंक जीते और दूसरी सर्विस पर भी 61 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। उनकी सटीक सर्विस और आक्रामक खेल के सामने जोकोविच को कोई जवाब नहीं मिला। पूरे मुकाबले में जोकोविच को केवल एक ब्रेक प्वाइंट मिला और वह भी तीसरे सेट में। लेकिन सिनर ने उसे भी ऐस के साथ बचा लिया। इसके बाद एक दमदार स्मैश और फिर एक और ऐस लगाकर उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। हार के बावजूद जोकोविच ने कहा, मैं शारीरिक रूप से ठीक महसूस कर रहा था। टूर्नामेंट की शुरुआत जितना तरोताजा नहीं था, लेकिन फिट था। सिनर आज मुझसे कहीं बेहतर थे और पूरे मैच में हावी रहे। उन्हें जीत की बधाई देनी होगी। उन्होंने शानदार खेल दिखाया।

अब सभी की निगाहें रविवार को होने वाले फाइनल पर होंगी, जहां जैनिक सिनर अपने विंबलडन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के इरादे से अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ उतरेंगे।

युवा बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी पर बीसीसीआई की पैनी नजर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) युवा सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बड़े-बड़े छक्के लगाने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध इन खिलाड़ियों का हालिया अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसने उनकी निरंतरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय टीम को हाल ही में आयरलैंड दौरे पर 0-2 से हार मिली थी और इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में वह 0-3 से पिछड़ चुकी है। टीम के खराब प्रदर्शन के बीच इन युवाओं का प्रदर्शन भी जांच के दायरे में है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआती तीन पारियों में केवल 42 रन बनाए हैं और एक बार भी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाए हैं। यह प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं, अभिषेक शर्मा ने पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः 59 और 43 रन की प्रभावशाली पारियां खेली थीं, लेकिन अगले दो मुकाबलों में उनका स्कोर केवल 10 और 16 रन रहा, जिससे उनकी फार्म में गिरावट स्पष्ट दिख रही है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने इन खिलाड़ियों की क्षमता को स्वीकार करते हुए कहा, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की बड़े-बड़े छक्के लगाने की क्षमता निस्संदेह शानदार है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इस क्षमता को नियंत्रण में रखा जाए और लगातार प्रदर्शन में बदला जाए। सूत्र ने दबाव में भी समझदारी से बल्लेबाजी करने के महत्व पर जोर दिया।

विंबलडन के रायल बाक्स में चमके क्रिकेट के सितारे : सचिन, लारा और शुभमन

नई दिल्ली

विंबलडन 2026 के पुरुषों के सेमीफाइनल मुकाबले में टेनिस कोर्ट पर सितारों का जमावड़ा लगा, वहीं रायल बाक्स में क्रिकेट जगत की कई हस्तियां भी मौजूद रहीं। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजली और बेटी सारा के साथ पहुंचे, जबकि वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी ब्रायन लारा भी इस प्रतिष्ठित इवेंट का हिस्सा बने। दोनों क्रिकेट दिग्गजों ने साथ में तस्वीरें भी साझा कीं, जिसने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया।

क्रिकेट के भगवान के नाम से मशहूर सचिन तेंदुलकर टेनिस के बड़े प्रशंसक हैं और अक्सर ग्रैंड स्लैम के बड़े मुकाबले देखने पहुंचते हैं। यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच हुए इस हाई-वोल्टेज सेमीफाइनल मैच के लिए उन्हें खास तौर पर रायल बाक्स में आमंत्रित किया गया था। सचिन पहले भारतीय क्रिकेटर थे जिन्हें यह सम्मान मिला था; अब विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। ब्रायन लारा के अलावा, सचिन ने टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से भी मुलाकात की और उनके साथ सेल्फी ली, जिसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया। इन दोनों दिग्गजों के बीच लंबी बातचीत भी हुई, जो खेल प्रेमियों के लिए एक यादगार पल था।

भारतीय टीम के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल भी विंबलडन का मैच देखने रायल बाक्स में मौजूद थे। सचिन की तरह शुभमन भी रोजर फेडरर के प्रशंसक हैं और उन्होंने भी अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी से बातचीत की। शुभमन को रायल बाक्स में सचिन तेंदुलकर के पास ही बैठे देखा गया, जिससे एक बार फिर उनके और सचिन की बेटी सारा तेंदुलकर के डेटिंग की चर्चाएं तेज हो गईं। शुभमन और सारा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, जिससे इन दोनों को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। यह आयोजन क्रिकेट और टेनिस के दिग्गजों को एक साथ एक मंच पर लाने का एक दुर्लभ अवसर था, जिसने खेल प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह सफलता पूरी टीम के प्रयासों का नतीजा : डे ला फुएंते

स्पेन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद बोले कोच

लास एंजिल्स

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के बाद स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपनी टीम की गहराई, एकता और सभी खिलाड़ियों के योगदान की जमकर तारीफ की। स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत में कोच के दो रणनीतिक फैसले बेहद अहम साबित हुए। मैच में, डे ला फुएंते ने स्टार खिलाड़ी पेड्री की जगह फैबियन रुइज को शुरुआती एकादश में शामिल किया, और रुइज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए स्पेन के लिए पहला गोल दागा। वहीं, दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर आए मिकेल मेरिनो ने 88वें मिनट में स्पेन के लिए निर्णायक गोल किया। मेरिनो को कोच डे ला फुएंते ने मैच के 86वें मिनट में ही मैदान पर उतारा था, और उनका यह प्रदर्शन स्पेन के लिए नया नहीं है। वह इससे पहले भी कई बड़े मुकाबलों में बेंच से आकर टीम के लिए महत्वपूर्ण गोल कर चुके हैं। उन्होंने यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के खिलाफ अतिरिक्त समय में गोल किया था, और वर्ल्ड कप के राउंड आफ 16 मुकाबले में पुर्तगाल के खिलाफ भी निर्णायक गोल दागा था।

डे ला फुएंते ने इस बात पर जोर दिया कि किसी खिलाड़ी को शुरुआती टीम में जगह नहीं देना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन उनकी टीम का हर खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने कहा कि मैदान पर केवल 11 खिलाड़ी शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन टीम में मौजूद हर खिलाड़ी महत्वपूर्ण है। कोच ने कहा, यह सही नहीं है कि मिकेल शुरुआत से नहीं खेले, लेकिन यह भी सही नहीं होगा कि किसी दूसरे खिलाड़ी को बाहर रखा जाए। हर खिलाड़ी जानता है कि उसे किस परिस्थिति में क्या भूमिका निभानी है। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते हैं। डे ला फुएंते ने इस जीत का श्रेय किसी एक खिलाड़ी को देने से इनकार किया। उन्होंने साफ कहा कि स्पेन की सफलता पूरी टीम के प्रयासों का नतीजा है। कोच के अनुसार, जो खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं और जो बाहर से टीम का समर्थन करते हैं, सभी का योगदान बराबर है। उन्होंने दोहराया, टीम सबसे ज्यादा जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन मैच शुरू करता है। हर खिलाड़ी की अपनी अहमियत है, यहां तक कि उन खिलाड़ियों की भी जो मैदान पर नहीं उतरे।

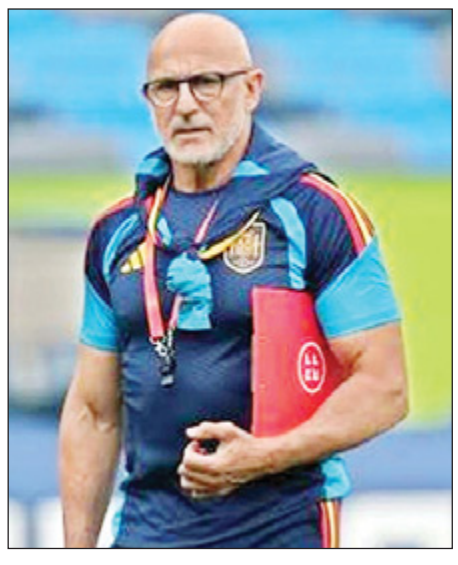

स्पेन के कोच ने टीम के अंदर अच्छे माहौल और आपसी सम्मान को भी सफलता का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और साथ ही बेहतरीन इंसान भी हैं, जो एक-दूसरे के लिए काम करना जानते हैं। डे ला फुएंते ने कहा, हमारे खिलाड़ियों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे अपने रोल को समझते हैं। वे टीम के लिए सोचते हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। यही वजह है कि टीम इतने अच्छे तरीके से आगे बढ़ रही है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन की भिड़ंत अब मंगलवार को फ्रांस से होगी। फ्रांस को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक माना जा रहा है। डे ला फुएंते ने माना कि यह मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन उनकी टीम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरेगी। कोच ने कहा कि फ्रांस के पास शानदार प्रतिभा और अनुभव है, लेकिन स्पेन भी अपनी क्षमता दिखा चुका है। उन्होंने कहा, यह एक कड़ा मुकाबला होगा, जिसमें ऊर्जा और फिटनेस की जरूरत होगी। हम यहां तक पहुंचे हैं और अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।